Part - 2

प्रश्न 3 " माता ओ मातृभुमि " निबंधक सारांश लिखू ।

उतर - एहि निबन्धक माध्यमसँ यदुनाथ क्षा यदुवर माता आ मातृभूमिक महताक विश्लेशण कैलनि अछि । युदुवर जी संस्कृतक पंडित छलाह , हुनकामे धर्म, कर्म आ नीतिक विचारक प्रबलता छलनि , ओ यधपि मातृभाशा मैथिलीमे बहुत थोरा रचना कैलनि तथापि सम्पूर्ण मैथिलकें कर्तव्यक स्मरण करयबाक लेल एक यैह निबंध पर्याप्त अछि । हुनक देश भक्ति , मातृभाशा प्रेम अनुकरणीय अछि।

Scanned by CamScanner

संसारमे माता शब्दक महिमासँ प्रायः सभ अवगत छथि । एहि शब्दक माधुर्यमे अदिव्त्य शक्ति अछि ।जेना दुध वा पानिमे मिसरि मिला देलासँ अनुपम मधुरत्व उतपन्न होइछ , तहिना माता शब्दक उच्चारण मात्रसँ प्रेम - स्नेहक माधुर्य प्राप्त होइत छैक ।

संसार भरिमे मकार शब्दक मधुरताक प्रतिक अछि । एकरा बिनु माता ओ मादुरता शब्दक बनब असंभव अछि । योगि संयसि महात्म पादरि , मौलबि दिन - रत्रि ध्यान लगौने छथि । मुक्ति हेतु से मकारहिक कारामति थिक।

मातृभुमि तहमर माताक माता ओ समस्त देशवासिक माता थिकहि । हम सब मातृभुमिके कोरमे लालित पालित भ युवा भेल छि ।

Scanned by CamScanner

एहि हेतु हमरा सभकें प्राणपणसँ चेश्टा करब
मातृभुमिक यथार्थ सेवा थिक । कहल गेल अछि
यथा -

जननि जन्मभूमिकें,बधि प्राणहु सँ प्रयवर ! देखू।
सेवा करबा हेतु हुनक नहि,जीवन,धन अवरेखू।
जननि जन्म्भूमिश्च श्वर्गादपि गरीयसी।
स जातो येन जातेन याति वंशःसमुन्नतिम्।"
जब-जब राम अवध सुधि करही ।
तब- तब वारि विलोचन भरही॥

Scanned by CamScanner